May 2022

SRMS Trust Bulletin

आयाम

- राममूर्ति जी ने ठुकरा दी स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशन –PAGE 03
- टेकव्योम 2022 में 43 स्पर्धायें- PAGE 08
- रिद्धिमा तराश रहा कल के कलाकार– PAGE 10
- ट्रस्ट की पुरस्कृत कहानी 'वापसी तक'- PAGE 14
- BSC नर्सिंग के विद्यार्थियों ने ली मानव सेवा की शपथ – PAGE 16

SRMS मेडिकल कॉलेज को NABH की पूर्ण मान्यता

- PAGE 04

National Accreditation Board for Hospitals & Healthcare Providers

(Constituent Board of Quality Council of India)

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

Shri Ram Murti Smarak Institute of Medical Sciences
13.2 K.M Milestone on Bareilly to Nainital Road, Bhojipura
Bareilly - 243202, Uttar Pradesh

has been assessed and found to comply with NABH Accreditation Standards for Hospitals. This certificate is valid for the Scope as specified in the annexure subject to continued compliance with the accreditation requirements.

Valid from : March 23, 2022
Valid thru : March 22, 2025

H-2022-0920

Certificate No.
H-2022-0920

Dr. Atul Mohan Kochhar
Chief Executive Officer

National Accreditation Board for Hospitals & Healthcare Providers, 5th Floor, ITPI Building, 4A, Ring Road, IP Estate, New Delhi 110 002, India
Phone: +91-11-42600600, Fax: +91-11-2332 3415 • Email: helpdesk@nabh.co • Website: www.nabh.co

Sl No. 007552 *007552*

NABH

NABH and the NABH Accreditation Standards for Hospitals are ISQua Accredited

एनएबीएच मान्यता बड़ी उपलब्धि

श्रीराममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज देश के इक्का-दुक्का और गिने चुने उन मेडिकल कालेजों में शामिल हो गया है जिन्हें राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) की पूर्ण मान्य हासिल है। एनसीआर को छोड़ कर उ.प्र. में तो ऐसा कोई मेडिकल कालेज नहीं है जो एनएबीएच की ओर से पूर्ण मान्यता प्राप्त हो। इसकी वजह स्वास्थ्य संस्थानों के लिए एनएबीएच के निर्धारित गुणवत्तापूर्ण मानक हैं जिन्हें पूरा कर पाना ज्यादातर के बस की बात नहीं होती। ऐसे में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को एनएबीएच की पूर्ण मान्यता हासिल होना गगनचुंबी उपलब्धि से कम नहीं। पिछले वर्ष एनएबीएच की टीम ने पूर्ण मान्यता के लिए मेडिकल कालेज का दौरा किया। यहां दी जा रही सुविधाओं और सेवाओं को निर्धारित मानकों पर परखा। मरीजों से बात की। संतुष्ट होने पर पिछले माह पूर्ण मान्यता का सर्टिफिकेट जारी किया। प्रबंधन ने इस उपलब्धि का श्रेय संस्थान में कार्यरत सभी लोगों को दिया है। इसमें कोई दो राय नहीं कि कोई भी मुकाम कर्मठ टीम के बिना संभव नहीं, लेकिन सही मायने में टीम लीडर ही इसका हकदार है। जिसके विजन से टीम जीतती है। सभी टीम और विजनरी लीडरशिप को बधाई। शुभकामनाएं...

जय हिंद

अमृत कलश

''स्वयं पर विजय पानी है तो अपने विचारों को पुख्ता बनाइए। लोगों का विश्वास उन्हीं पर होता है, जिनका कोई निश्चित विचार और नीतियां होती हैं।।''

रामर्मूर्ति जी ने ठुकरा दी स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशन

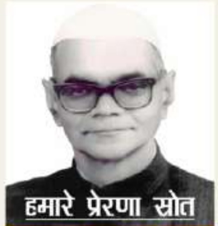

स्व. श्री राम मूर्ति जी
08.02.1910 - 02.10.1988

स्वतंत्रता सेनानी राममूर्ति जी सच्चे राष्ट्रभक्त और गांधीवादी नेता थे। मधुर स्वभाव होने के कारण मित्रों के साथ ही समाज में भी उनकी मिलनसार व्यक्ति की छवि थी। वह प्रभावशाली वक्ता थे और उनका भाषण तथ्यों, आंकड़ों, तर्क और बुद्धिमानी से पूर्ण होता था। वह अपने भाषणों में हास्य का पुट डाल कर सभी को प्रभावित कर लेते थे। देश की आजादी में सक्रिय संघर्ष करने के कारण वह अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की तरह ही कई बार जेल गए। कठोर यातनाएं सहीं। लेकिन कभी देशप्रेम की भावना को कमजोर नहीं होने दिया। आजादी के बाद भारत सरकार ने स्वतंत्रता संघर्ष में योगदान देने वालों को पेंशन देने की घोषणा की। ऐसे में तमाम वो लोग भी पेंशन पाने के लिए आवेदन करने लगे जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष में कोई योगदान तक न दिया हो। राममूर्ति जी ने स्वतंत्रता सेनानियों को सरकार द्वारा दी जा रही पेंशन लेने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने सरकार को लिख कर दिया कि उन्होंने भारत माता की सेवा अंग्रेजों से स्वतंत्र कराने के लिए की थी न कि पेंशन या संपत्ति पाने के लिए। अपनी मां की सेवा धन के लिए नहीं की जाती। राष्ट्रसेवा को कर्तव्य समझ कर जीने वाले और लोकहित में सर्वस्व अर्पण करने वाले स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी को सादर नमन।

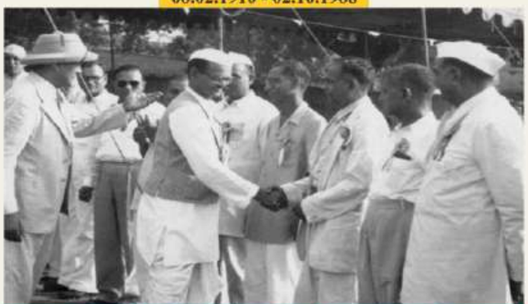

एक कार्यक्रम के दौरान सेनानियों से कुशलक्षेम पूछते स्वतंत्रता सेनानी श्रीराममूर्ति जी (फोटो एसआरएमएस आर्काइव)

श्रद्धांजलि

Vision

- To be partner in building India a world leader in Medical Education & Health Care.
- To establish & develop world class self reliant institute for imparting Medical and other Health Science education at under-graduate, post-graduate & doctoral levels of the global competence.
- To serve & educate the public, establish guidelines & treatment protocols to be followed by treating hospitals.
- To provide quality & affordable health care facilities and services to all sections of society.

Mission

- To strive incessantly to achieve the goals of the Institution.
- To impart academic excellence in Medical Education.
- To practice medicine ethically in line with the global standard protocols.
- To evolve the Institution to the status of a Deemed University.
- Our Students - Our Assets.
- Our Staff - Our Means.

Values

Integrity **Excellence**
Fairness **Innovativeness**

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi	-	Editor
Indu Dixit	-	Photographer
Dharmedra Kumar	-	Photographer
Yasmeen Khan	-	Designer
Vineet Sharma	-	(Co-Ordinator, IMS)
Dr. Ekta Rastogi	-	(Co-Ordinator, IBS)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

एसआरएमएस हास्पिटल की गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और सुविधाओं पर

एनएबीएच ने दी पूर्ण मान्यता

उपलब्धि के लिए डॉक्टर और स्टाफ को प्रदान किया प्रशंसा पत्र

सम्बोधन

बरेली: श्रीराममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज की ओर से मरीजों को दी जा रही गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और सुविधाओं को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) ने भी स्वीकार किया है। इसीलिए एनएबीएच ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज को पूर्ण मान्यता देते हुए सर्टिफिकेट प्रदान किया। इस खुशी को साझा करने के लिए एसआरएमएस अलखनंदा रिसोर्ट में प्रीतिभोज का आयोजन हुआ। इसमें एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी और डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी ने सभी को बधाई दी और आभार जाताया। देव मूर्ति जी ने कहा कि इस उपलब्धि को हासिल करने के बाद अब हम पर ज्यादा जिम्मेदारी बढ़ गई है। हमें इस मान्यता को बनाए रखने के साथ ही अब इससे आगे बढ़ कर नया मुकाम हासिल करना है। एनएबीएच की ओर से पूर्ण मान्यता हासिल होने पर स्टाफ मेंबर्स को प्रशंसा पत्र प्रदान कर उनके योगदान को भी इस मौके पर सराहा गया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने कहा कि बीस साल पहले जब हास्पिटल शुरू किया था। तब मैं अकेला था। सिर्फ एक ही सोच थी कि बरेली के लोगों को सुपरस्पेशियलिटी सेवाओं के लिए दूसरे शहरों में जाने के लिए मजबूर न होना पड़े। इसीलिए यहां पर पहले सुपरस्पेशियलिटी सेवाएं आरंभ की गई। बाद में स्पेशियलिटी चिकित्सा सेवाओं को शुरू किया गया। मरीजों को आरंभ से ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराने के लिए अत्याधुनिक विश्वस्तरीय उपकरणों को स्थापित किया गया। इसी की बदौलत आज देश के चिकित्सा संस्थानों के बीच एसआरएमएस मेडिकल कालेज का अलग मुकाम है। अलग पहचान है। एनएबीएच ने पूर्ण मान्यता प्रदान कर इसे अपना सर्टिफिकेट भी प्रदान किया। इसमें गार्ड से लेकर प्रिंसिपल तक सभी का योगदान शामिल है। सभी को इसके लिए बधाई। सभी का आभार। उन्होंने कहा कि एनएबीएच का पूर्ण प्रमाण पत्र हासिल करना गर्व की बात है लेकिन अब जिम्मेदारी इसे बनाए रखने और इससे आगे बढ़ने की है। क्योंकि अब आपको देख कर दूसरे भी आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे, आपके साथ आगे भी बढ़ना चाहेंगे और आपको हराना भी चाहेंगे। ऐसे में एनएबीएच का प्रमाण पत्र नया इम्तिहान है। अब ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। हम इसमें कामयाब होंगे ऐसा विश्वास है।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी ने कहा कि यह हमारे लिए हर्ष और गर्व की बात है कि करीब छह वर्ष की मेहनत के बाद हमें एनएबीएच का पूर्ण प्रमाण पत्र हासिल हुआ। यह सभी की मेहनत और सामूहिक प्रयास का नतीजा है। यह यहां काम करने वाले डाक्टर, नर्सिंग, पैरामेडिकल, टेक्निकल, क्वालिटी और अन्य सभी विभागों में कार्यरत लोगों की बदौलत यह

एनएबीएच का पूर्ण प्रमाण पत्र हासिल होना हमारे लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि देश के गिने चुने चिकित्सा संस्थानों को ही हासिल है। चेयरमैन श्री देवमूर्ति जी के मार्गदर्शन में हमारा संस्थान आरंभ से ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं देता आ रहा है। सरकार द्वारा मान्यता हासिल होना इसका प्रमाण है। अब हम और अधिक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने की कोशिश करेंगे। इसके लिए सारी टीम बधाई की पात्र है।

डा.एसबी गुप्ता
प्रिंसिपल, एसआरएमएस मेडिकल कालेज

भारतीय गुणवत्ता परिषद की ओर से स्वास्थ्य सेवा संगठनों की सेवाओं में गुणवत्ता स्थापित कर उन्हें मान्यता प्रदान करने और संचालित करने के लिए एनएबीएच स्थापित किया है। यह बोर्ड मरीजों की जरूरतों को पूरा करने और स्वास्थ्य उद्योग में मानक स्थापित करने का काम करता है। इससे पूर्ण मान्यता का सर्टिफिकेट मिलना हमारे लिए बड़ी उपलबधि है। इसके लिए अस्पताल की पूरी टीम को बधाई।

डा.आरपी सिंह,
मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, एसआरएमएस मेडिकल कालेज

एनएबीएच का एंट्री लेबल सर्टिफिकेट हमें वर्ष 2017 में हासिल हो गया था। इसके बाद दो बार वर्ष 2019 और 2021 में यह रिन्यूवल हुआ। पूर्ण मान्यता के लिए एनएबीएच की टीम ने पिछले वर्ष अगस्त में अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने निर्धारित मानकों के आधार पर यहां सुविधाओं और सेवाओं को परखा। पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद 14 मई को पूर्ण मान्यता का सर्टिफिकेट जारी किया। वर्तमान में उ.प्र. के कुछ ही स्वास्थ्य संस्थानों को एनएबीएच की मान्यता हासिल है।

सोनी चरडे, मैनेजर
क्वालिटी डिपार्टमेंट, एसआरएमएस आईएमएस

उपलब्धि हासिल हुई है। सभी को इसके लिए बधाई। उन्होंने कहा कि एनएबीएच की पूर्ण मान्यता मिलना हमारे लिए गर्व की बात होने के साथ साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। एक स्टैंडर्ट स्थापित करने के बाद जब दूसरे आपको फालो करने लगते हैं तब और भी ज्यादा जिम्मेदारी बढ़ जाती है। जरूरी हो जाता है कि आप अपने स्टैंडर्ट को लगातार आगे बढ़ाने का प्रयास करते रहें। अब हमें इसके लिए और भी सामूहिक रूप से प्रयास करते रहना होगा। अब हमें मरीजों की उम्मीदों पर और भी खरा उतरना पड़ेगा। हमें विश्वास है कि अपनी टीम की बदौलत हम इस उम्मीद पर खरे उतरेंगे। आदित्य जी ने कहा कि एनएबीएच का फुल सर्टिफिकेट हासिल करने के साथ ही एसआरएमएस मेडिकल कालेज ने एक और भी उपलब्धि हासिल की है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने मेडिकल एजूकेशन के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज को रीजनल सेंटर चुना है। देश के 600 से ज्यादा मेडिकल कालेज के बीच एनएमसी ने सिर्फ 32 रीजनल सेंटर बनाए हैं। हमारा कालेज इनमें से एक है। यह हम सभी के लिए और भी गौरव की बात है। यहां पर एनएमसी के स्टैंडर्ट के हिसाब से फैकेल्टी को ट्रेनिंग देकर उन्हें तैयार किया जाएगा। इस मौके पर देव मूर्ति व आदित्य मूर्ति जी ने डॉक्टर और अन्य स्टाफ को प्रशंसा पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन डा. सुरभि चंद्रा ने किया। समारोह में आशा मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, उषा गुप्ता, नंदिनी कुमार, देवेंद्र खंडेलवाल, डा.अतुल अग्रवाल, डा.लतिका अग्रवाल, गौरव सक्सेना, एसआरएमएस ट्रस्ट के सभी संस्थानों के प्रिंसिपल, फैकल्टी मेंबर्स, स्टाफ मौजूद रहा।

इन्हें दिया गया प्रशंसा पत्र

डा.राहुल कुमार गोयल, माइक्रोबायोलाजी
डा.प्रतीक गहलोत, डर्मेटोलाजी
डा.पवन कुमार, रेडिएशन ओंकोलाजी
डा.हुमा खान, कम्यूनिटी मेडिसिन
डा.तारिक महमूद, बायोकैमिस्ट्री
डा.शिवानी गुप्ता, वार्ड मैनेजर
डा.यतीश कुमार श्रीवास्तव, वार्ड मैनेजर
डा.आईए खान, मैनेजर पेशेंट रिलेशन

नर्सिंग टीम

इन्हें दिया गया प्रशंसा पत्र

लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत)
अलेयम्मा वीजी, चीफ मैट्रन
सोनी चरणे, मैनेजर, क्वालिटी एश्योरेंस
सीए संजीव गुप्ता, एकाउंट्स एंड फाइनेंस
अजीत कुमार सक्सेना, मैनेजर ह्यूमन रिसोर्स
विनीत शर्मा, मैनेजर एडमिनिस्ट्रेशन
चंद्रहास शंखधर, मैनेजर इंफार्मेशन टेक्नालाजी
आसिफ हुसैन रिजवी, मैनेजर सर्विसेज
विनीत कुमार शर्मा, आफिस सुपरिंटेंडेंट
निशी भारद्वाज, असिस्टेंट मैनेजर, क्वालिटी एश्योरेंस
रंजन कुमार साहू, सीनियर फार्मासिस्ट
सुदर्शन सिंह चौहान, इंचार्ज मेस सर्विसेज
सोनल शुक्ला, इंचार्ज डाइटेटिक्स
शीतल सैनी, एग्जीक्यूटिव, क्वालिटी एश्योरेंस
निदा खान, एग्जीक्यूटिव, क्वालिटी एश्योरेंस
दीक्षा गंगवार, ट्रेनी, क्वालिटी एश्योरेंस
दिव्या राघव, एग्जीक्यूटिव, क्वालिटी एश्योरेंस
यासमीन, ग्राफिक डिजाइनर
नीतू, आईसीएन
शालिनी बेंजामिन, आईसीएन
पूनम क्रिस्टोफर, आईसीएन
हेमा सिंह, आईसीएन
रोसलीन मैसी, आईसीएन
राजीव कुमार, बायोमेडिकल

धूमधाम से हुआ 'टेकव्योम' 2022, 43 प्रतियोगिताएं आयोजित

सफलता पाने को रखें सकारात्मक सोच

उद्घाटन पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति ने दिया संदेश

बरेली: श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी में सात मई को 'टेकव्योम' 2022 का आयोजन हुआ। इसमें टेक्नोलाजी बेस्ड 43 इवेंट्स आयोजित हुए और इनमें विजेताओं को डेढ़ लाख रुपये नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। 'टेकव्योम' में एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने विद्यार्थियों को सफलता पाने के लिए सकारात्मक सोच रखने और टेक्नोलाजी का समाज कल्याण में इस्तेमाल करने का का संदेश दिया। इस मौके पर कालेज के छात्र रहे 10 युवा उद्यमियों ने भी अपने अनुभव विद्यार्थियों से साझा किए और उन्हें खुद के डेवलपमेंट के साथ ही देश की तरक्की के लिए प्रेरित किया। बरेली स्थित श्रीराममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी में टायरो क्लब की ओर से आयोजित राष्ट्रीय तकनीकी महोत्सव 'टेकव्योम-2022' का शुभारम्भ संस्था के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। संस्थान के राममूर्ति शतिक प्रेक्षागृह में बीटेक तृतीय वर्ष की छात्राओं वैष्णवी और सूर्यांश ने टेक्नोलाजी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उद्घाटन समारोह का प्रारम्भ किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने गणेश वन्दना एवं शिव तांडव पर नृत्य प्रस्तुति से सबका मन मोहा। उसके बाद रोबो डांस की प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की थीम का अनावरण तकनीकी के फ्यूजन से देवमूर्ति जी ने किया। उन्होंने कहा कि मशीन को इंसान ने बनाया है और इंसान को भगवान ने। यह सुनिश्चित करना होगा कि हमें नकारात्मक सोच अपनानी है या सकारात्मक। क्योंकि सकारात्मक सोच ही आगे ले जाती है और भविष्य में सफलता पाने के लिए

- कालेज के पूर्व विद्यार्थी और युवा उद्यमियों ने साझा किए अनुभव
- स्पर्धाओं के विजेताओं को प्रदान मिला डेढ़ लाख रुपये नगद पुरस्कार

प्रतियोगिता	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान
टेक क्विज	संस्कृति, सीईटी	मानसी दीक्षित, सीईटी	खुशी पाण्डेय, सीईटी
जंकवार (ईवेस्ट्स कनवर्जन)	अमन कुमार शर्मा, सीईटी	मृत्युजंय सक्सेना, सीईटी	
वर्ड बी	महोतासिम अली, सीईटी	अक्षय बलियान, सीईटी	सिदरा अली खान, सीईटी
पिक्टोग्राफ/लोगोग्राफ	खुशी खान, सीईटी	श्रद्धा, सीईटी	समनान खान, सीईटी
बीट-द-बग्स	जया लक्ष्मी, सीईटी	मोहत्सम अली, सीईटी	बृज मोहन, सीईटीआर
मल्टीमीडिया आर्ट	कुन्दन मौर्य, सीईटी	अनुराग शर्मा, सीईटी	
टेक्नीकल पेन्टिंग	कृति सक्सेना,	कुन्दन मौर्य,	तुलिका दत्ता,
केड ट्रिक	अनुराग शर्मा, सीईटी	सुभनेश, सीईटी	
लैन वार- फीफा	दिव्यांश भारद्वाज, सीईटी	वैभव केशरवानी, सीईटी	सात्विक गांधी, सीईटी
लैनवार-मिनी मिलीशिया	अदित्य सिंह तोमर,	आकाश गुप्ता,	मो0 उवेश अंसारी
सी एक्सपर्टस	प्रशांत भल्ला,	प्रयांक गुप्ता,	आकाश सक्सेना,
डीबी कनाइट	पारूल सहानी	टनिकेत सवरवाल	शिवांशु गुप्ता
फार्मेस्क्विसर	अरबाज,	हन्शिका वार्ष्णेय,	अंशिका सिंह

जरूरी है। कोई भी देश तभी प्रगति करता है जब वहां के युवा सकारात्मक सोच से कार्यो को करें। देवमूर्ति जी ने इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलाजी को ज्ञान के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में विद्यार्थियों के पास अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए पूरा आसमान है। यह आपको चुनना है कि आपको तकनीक का इस्तेमाल किस दिशा में करना है। समाज के कल्याण एवं उद्धार के लिए या विनाश के लिए। जो लोग तकनीक का इस्तेमाल समाज के कल्याण एवं उद्धार के लिए करते हैं। वह दूसरों के लिए प्रेरणादायी एवं लंबा जीवन यापन करते हैं और जो तकनीक का इस्तेमाल विनाश के लिए करते हैं वह सूक्ष्म जीवन जीते हैं। देव मूर्ति जी ने विद्यार्थियों को शिक्षित होने के साथ कम्यूनिकेशन स्किल्स में प्रवीणता प्राप्त करने की प्रेरणा दी। कहाकि इंडस्ट्री में ऐसे ही युवाओं की आवश्यकता है जो कार्य करने की क्षमता, समस्या समाधान का दृष्टिकोण तथा अभिव्यक्ति की निपुणता रखते हों।

इससे पहले टायरो क्लब के प्रेसीडेन्ट रौनक तिवारी ने सभी का स्वागत किया और टेकव्योम की जानकारी दी। कार्यक्रम में एसआरएमएस ट्रस्ट के सभी महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश एवं अन्य राज्यों के प्राविधिक एवं व्यवसायिक संस्थानों के 690 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर ट्रस्ट सेक्रेट्री आदित्य मूर्ति, कालेज के प्राचार्य डा. प्रभाकर गुप्ता, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, डायरेक्टर प्लेसमेंट सेल डा. अनुज कुमार, मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. एसबी गुप्ता, डायरेक्टर फार्मेसी डा. नितिन शर्मा, सीईटीआर के प्राचार्य डा. एलएस मौर्य, डीन स्टूडेन्ट वैलफेयर इंजीनियर कपिल भूषण, सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक, टायरो टीम सेक्रेटरी वंशिका गुप्ता, टीम के सदस्य और स्टाफ के लोग उपस्थित रहे।

टेकव्योम में युवा उद्यमी बने पूर्व छात्रों ने दिए सफलता के टिप्स

एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के ट्रेनिंग डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से टेकव्योम कार्यक्रम में पैनल डिस्कशन आयोजित हुआ। इसमें 1999 से 2015 बैच तक के बी.टेक, बीफार्म और एमसीए के पूर्व छात्र 1999 बैच के निपुन कोहली, अभिषेक जौहरी, अमिता अग्रवाल, 2000 बैच के हितेश कुमार, 2004 बैच के सचिन अग्रवाल, 2006 बैच के गौतम सिंह, 2013 बैच के शशांक टंडन, 2014 बैच के गुरवचन सिंह और 2015 बैच के अजय गंगवार और दीपक गंगवार शामिल हुए। ट्रेनिंग डेवलवमेंट एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक डा. अनुज कुमार ने सभी का स्वागत किया। सभी पूर्व छात्रों ने करियर के लिए अपेक्षित मेहनत पर जोर दिया। अपने करियर में इससे मिले परिणामों का भी जिक्र किया और अपने अनुभव साझा किए। पूर्व छात्रों ने सामूहिक चर्चा के दौरान पूछे गये सवालों के जवाब दिए और विद्यार्थियों के मन में उठने वाली जिज्ञासाओं को शांत किया। उन्होंने खुद के डेवलपमेंट के साथ ही राष्ट्र निर्माण के लिए भी सभी को प्रेरित किया।

- निपुन कोहली, बीटेक (सीएस) फिनाग टेक्नोलाजी के संस्थापक एवं सीईओ
- अभिषेक जोहरी, बीटेक (सीएस) केपीएमजी कम्पनी गुड़गाव में एसोसिएट डायरेक्टर
- अमिता शर्मा, बीटेक (आईटी) शैल आयल एण्ड गैस बंगलूरू में रिलिज ट्रेन इंजीनियर
- हितेश कुमार, बीटेक (सीएस) प्रोटेकान्स बंगलुरु के संस्थापक एवं सीईओ
- गौतम सिंह नाक्स लाइफ कम्पनी में क्वालिटी मैनेजर
- क्षितिज अग्रवाल, बीटेक (सीएस) टैकिला ग्लोबल सर्विसेज, संस्थापक, सीईओ
- शशांक टंडन, बीटेक (आईटी) जेपी मार्गन में सिनियर साफटवेयर इंजीनियर
- गुरबख्श सिंह, बीटेक (सीएस) फ्लिपकार्ट कम्पनी में साफ्टवेयर इंजीनियर
- अजय गंगवार, (एमसीए) सीटूएफओ कम्पनी में साफटवेयर इंजीनियर
- दीपक गंगवार, बीटेक (सीएस) टीसीएस कम्पनी में डिजिटल एसोसिएट

कला, गीत, संगीत और अभिनय के दीवानों को बरेली में हुनर निखारने का मौका

रिद्धिमा तराश रहा 'कल के कलाकार'

स्वरांजलि

कल के कलाकार

बरेली: कला, गीत, संगीत और अभिनय के दीवानों और कद्रदानों की तलाश एसआरएमएस रिद्धिमा में मुकम्मल हो रही है। रिद्धिमा भी इन विधाओं में अपनी मंजिल बनाने को इच्छुक कल के कलाकारों को तराश कर उनके भविष्य संवारने में लगा हुआ है। रिद्धिमा का मंच मई माह में इन्हीं कलाकारों को तलाशने और तराशने को समर्पित हुआ। सात मई को यहां एक दिवसीय राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता 'स्वरांजलि' आयोजित हुई। इसमें बरेली के विद्यालयों के साथ ही बाहर के विभिन्न संस्थानों के 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। खैरागढ़ विवि के सिद्धार्थ ने वरिष्ठ वर्ग में और बीबीएल की सताक्षी ने कनिष्ठ वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। 15 मई को रिद्धिमा में प्रथम राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता 'कल के कलाकार' आयोजित हुई। इसमें जूनियर और सीनियर वर्ग में विभिन्न विद्यालयों के 24 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। एसआरएमएस के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने पुरस्कार प्रदान किये। उन्होंने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि सभी के अंदर कोई न कोई कला अवश्य होती है जिसे निखार कर दुनिया के सामने लाने की जरूरत है। 22 मई को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को समर्पित 'कथकनाट्यम' में गुरुओं के साथ उनके शिष्यों को भी मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला और उन्होंने अपनी नृत्य कला का अद्भुत प्रदर्शन कर दर्शकों की तालियां बटोरीं। इससे पहले पहली मई रविवार को रिद्धिमा का मंच नाटक के लिए समर्पित हुआ। परिमल दत्ता द्वारा लिखित नाटक 'बैंड मास्टर' का मंचन प्रयागराज के विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान ने किया। इसमें दो पीढ़ियों के संघर्ष को बड़ी ही सहजता से दर्शकों तक संप्रेषित किया गया। आठ मई को संगीत कार्यक्रम 'बनी ठनी ठुमरी के रंग' का आयोजन हुआ। इसमें गुरुओं ने अपनी कला से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। 15 मई को मानव कौल द्वारा लिखित नाटक बलि और शंभू का हुआ। 29 मई को रिद्धिमा में विजय तेंदुलकर लिखित नाटक 'खामोश अदालत जारी है' का मंचन हुआ।

इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, डा. रीता शर्मा, ट्रस्ट के एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, गुरु मेहरोत्रा, सुरेश सुंदरानी, डा. आर. पी. सिंह, डा.अनुराग मोहन, डा. एसबी गुप्ता, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, आशीष कुमार और शहर के संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

- राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता 'स्वरांजलि' का सफल आयोजन
- 'बैंड मास्टर' ने दिखाई बुजुर्ग होते कलाकार की कथा, व्यथा
- 'बनी ठनी ठुमरी' के सुरों की महफिल ने श्रोताओं को लुभाया
- नाटक 'बलि और शंभू' में बेबस पिता को देख दर्शक भावुक
- 'कथकनाट्यम' से किया गया श्री कृष्ण की लीलाओं का मंचन
- विजय तेंदुलकर के नाटक में रिद्धिमा के कलाकारों का अभिनय

नृत्य प्रतियोगिता में साक्षी, ओष्ठी अव्वल

प्रथम एक दिवसीय राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता 'कल के कलाकार' में जिले के विभिन्न विद्यालयों के 24 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसके जूनियर वर्ग में द गुरु स्कूल की ओष्ठी और सीनियर वर्ग से एसआरएमएस रिद्धिमा की साक्षी सक्सेना ने पहला स्थान पाया। जूनियर वर्ग में सेंट मारिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल की पंखुरी वर्मा ने दूसरा और राधा माधव पब्लिक स्कूल के आशीष सक्सेना ने तीसरा स्थान हासिल किया। सीनियर वर्ग में एसआरएमएस सीईटी के हर्षित गुलाटी ने दूसरा और एसआरएमएस सीईटी की अलशिफा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सिद्धार्थ और सताक्षी को पहला स्थान

प्रथम राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता 'स्वरांजलि' सीनियर और जूनियर वर्ग में हुई। सीनियर वर्ग के 11 और जूनियर वर्ग के सात विद्यार्थी शामिल हुए। निर्णायक मण्डल में शामिल इंदु परडल, डा. रीता शर्मा और रुचि शाह ने विजेताओं का चयन किया। सीनियर वर्ग से खैरागढ़ विश्वविद्यालय के सिद्धार्थ नेगी ने पहला और बरेली कालेज के मोहक दत्त ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में बीबीएल पब्लिक स्कूल की सताक्षी अग्रवाल को प्रथम, द गुरु स्कूल की आरुषि शर्मा को द्वितीय, द गुरु स्कूल के मौलिक कक्कड़ को तृतीय और बीएसयू बरेली के प्रणव शंखधार को सांत्वना पुरस्कार मिला। प्रतियोगिता में बरेली कालेज, द गुरु स्कूल, सीईटी, सीईटीआर, बीएसयू बरेली, खैरागढ़ विवि, जीजीआईसी, साहू राम स्वरूप महाविद्यालय, बीबीएल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी शामिल हुए।

कला के प्रति कलाकार का समर्पण

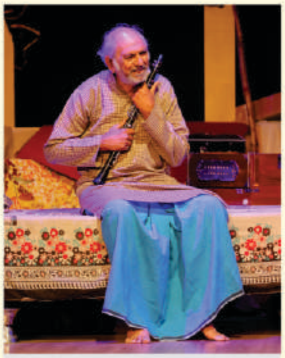

बुजुर्ग बैंड मास्टर नख्सू मियां इसका मुख्य पात्र है। उम्र और स्वास्थ्य कारणों से बैंड बजा पाने में असमर्थ नख्सू गोद लिए बेटे अली को अपनी विरासत सौंपना चाहता है, लेकिन अली पुराने बैंड का मास्टर नहीं बनना चाहता। दोनों के बीच इसको लेकर वाद विवाद चलता है। बदलाव की बयार में शास्त्रीयता से दूर हो गई अपरिपक्व युवा पीढ़ी को नख्सू मियां अपना साज़ सौपना नहीं चाहते। लेकिन खुद उनकी उम्र बैंड बजाने लायक भी नहीं रही है। नख्सू के किरदार में अभिलाष नारायण और अली के किरदार में आशीष यादव ने बेहतरीन काम किया। आलोक रस्तोगी ने नाटक का प्रस्तुतिकरण किया और मुनीम की किरदार में अजय मुखर्जी ने इसका निर्देशन किया।

जोरदार रही भरतनाट्यम और कथक की संगत

'कथकनाट्यम' में श्रीकृष्ण की शरारतों का रिद्धिमा के विद्यार्थियों ने मंचन किया। कथक गुरु रियाश्री चटर्जी ने विद्यार्थियों संग तराना और मधुराष्ट्रकम पर नृत्य प्रस्तुत किया। देवज्योति नस्कर ने गिरी गोवर्धन लीला और कृष्णाष्टकम को कथक से दर्शकों के सामने रखा। भारतनाट्यम और कथक का मिश्रित प्रस्तुति में गुरु अंबाली प्रहराज और देवज्योति ने बरसाने की 'होरी' का मंचन किया। श्री कृष्ण के भजन 'श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी' पर अंबाली, देवज्योति, रियाश्री और रिद्धिमा के विद्यार्थियों ने संयुक्त प्रस्तुति दी। गायन में स्नेहाशीष दुबे और शिवांगी मिश्रा ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वादन में शिव शंभू कपूर, कुंवरपाल, उमेश मिश्रा, डा.पवन राज, सूर्यकांत और जनार्दन ने साथ निभाया।

गुरुओं ने किया श्रोताओं को मंत्रमुग्ध

'बनी ठनी ठुमरी के रंग' में राग हमीर पर आधारित ठुमरी 'सब बन ठन आई' को गुरु स्नेहाशीष दुबे ने स्वर दिए। रंगी साड़ी गुलाबी चुनरिया को रियाश्री चटर्जी ने पेश किया और डा. वंदना दुग्गल ने आवाज दी। 'मैंने लाखों के बोल सहे' को डा. रीता शर्मा ने पेश किया, जिस पर कथक गुरु रियाश्री ने संगत दी। कैसे चलूं मग रोके और 'बाबुल मोरे' को स्नेहाशीष ने पेश किया। इंदु परडल ने स्वर से सजे 'ठाढ़े रहियो' पर रियाश्री ने नृत्य से संगत दी। स्नेहाशीष के 'मोहे छेड़ो न नंद के चौन' पर गुरु देवज्योति नस्कर ने कथक से संगत दी। गुरु शिवांगी मिश्रा ने 'साइयां निकस गए' पर रियाश्री और देवज्योति ने प्रस्तुत किया। शिव शंभू कपूर ने तबला, डा. पवन राज चौधरी ने बांसुरी, उमेश मिश्रा ने सारंगी, जर्नादन भारद्वाज ने ढोलक और सूर्यकांत चौधरी ने सितार पर संगत दी।

बुजुर्गों का दर्द देख भावुक हुए दर्शक

नाटक में दो बुजुर्गों बलि और शंभू केंद्र बिंदु हैं। इसमें शंभू की बेटी तितली भागकर शुभांकर से शादी कर लेती है। पिता से मांफी मांगने के लिए लौटते समय कार एक्सीडेंट में उसकी मौत हो जाती है। बेटी की मौत के बाद शंभू घर छोड़कर ओल्ड एज होम आ जाता है। वहां उसकी दोस्ती बुजुर्ग बलि से होती है। कुछ दिन बाद शंभू की मौत हो जाती है। इसी बीच तितली का पति शुभांकर शंभू से मिलने आता है। बलि खुद को शंभू बताकर शुभांकर से मिलता है। एक दूसरे की सच्चाई जानने के बाद भी दोनों एक दूसरे से दर्द बांटते हैं। नाटक में शंभू के किरदार में अशोक सेंगर, बलि के रूप में मनोज शर्मा, तितली के रोल में माधुरी कोली और शुभांकर के किरदार में उपेन सिंह ने शानदार अभिनय किया।

नारी की मानसिक पीड़ा को मार्मिकता से दर्शाया

'खामोश अदालत जारी है' में मुंबई की एक रंगमंडली छोटे कस्बे में नाटक करने जाती है। इसमें अविवाहित टीचर (लीला बिनारे), असफल वकील (सुखात्मे), इंटर फेल साइंटिस्ट, अभिनेता, मंडली का मालिक काशीकर, उसकी पत्नी, सेवक बालु और एक सीधा साधा ग्रामीण युवक (सामंत) है। प्रदर्शन का इंतजार कर रही मंडली एक झूठा मुकदमा शुरू करती हैं। जिसमें लीला को अभियुक्त की भूमिका मिलती है। उस पर भ्रूण हत्या का मुकदमा चलता है। मुकदमे के दौरान सचमुच में लीला के गर्भ में शिशु पलने का खुलासा होता है। नाटक में अन्य पात्रों के मुखौटे उतरने शुरू होते हैं। सभी कलाकारों ने शानदार अभिनय किया।

पैरामेडिकल के 20 विद्यार्थियों को तीन लाख का पैकेज

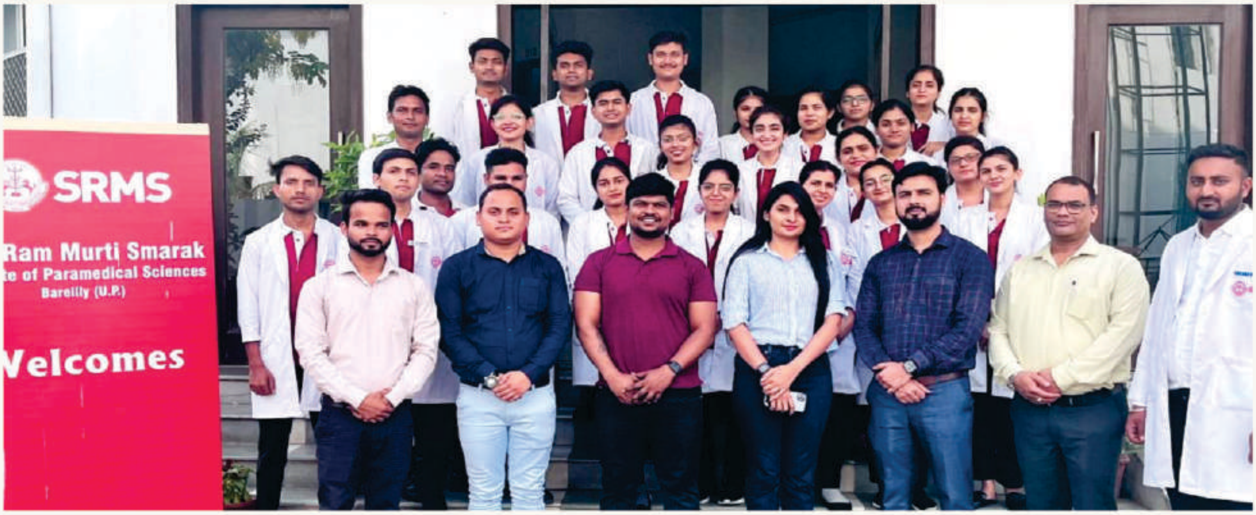

बरेली: एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइंस बरेली में आप्टोमैट्री डिग्री स्तर के 2020 बैच के विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट 17 मई को हुआ। इसमें लैंसकार्ट कंपनी ने 20 विद्यार्थियों को तीन लाख रुपये वार्षिक के पैकेज पर चयन किया गया। लैंसकार्ट की ओर से वर्कशाप का आयोजन हुआ। जिसमें क्लीनिकल एवं पर्सनल इंटरव्यू के साथ क्लीनिकल कार्य परखा गया। प्लेसमेंट ड्राइव में 25 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया जिसमें 20 का चयन हुआ। यह जानकारी आप्टोमैट्री के विभागाध्यक्ष इमरान अहमद अंसारी ने दी। इस मौके पर आप्थामोलोजी विभागाध्यक्ष डा.नीलिमा मेहरोत्रा, आईपीएस के प्रिंसिपल डा.कृष्ण गोपाल, डा.आशीष चौहान, लैंसकार्ट के रीजनल मैनेजर मुबीन खान, क्लस्टर आप्टोमेट्रिक्स आयुष गुप्ता सहित कई लोग मौजूद रहे।

बी.टेक के 147 विद्यार्थियों का विप्रो में प्लेसमेंट

बरेली: विप्रो टेक्नोलाजीज की ओर से एसआरएमएस के बरेली और लखनऊ स्थित इंजीनियरिंग कालेजों के अंतिम वर्ष के 147 विद्यार्थियों का चयन किया। प्लेसमेंट के मौके पर ट्रेनिंग डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट के निदेशक डा.अनुज कुमार ने कहा कि अब तक एसआरएमएस इंजीनियरिंग संस्थानों के विद्यार्थियों ने टेक महिंद्रा, लाजिकसर्व डिजीटल, कोफोर्ज लिमिटेड, अल्ट्राजैनिक रिसर्च एंड टेक्नोलाजी, लेटेन्व्यु एनालिटिक्स, न्यूक्लियस साफ्टवेयर, टीसीएस, ईमैप इंडिया, नगैरो साफ्टवेयर, बिरला साफ्ट, एचसीएल, एचपी इंडिया बीएल एग्रो जैसी तमाम प्रतिष्ठित कंपनियों के आफर प्राप्त हुए हैं। जिसमें उच्चतम पैकेज 9 लाख रुपये सालाना मिला है। इस मौके पर डीन एकेडेमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता मौजूद रहे।

चिकित्सा क्षेत्र में डाप्लर अल्ट्रासाउंड की भूमिका पर कार्यशाला

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल साइंसेज में 29 मई को प्रसूति एवं स्त्री विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें प्रसूति एवं स्त्री रोगों की जांच में डाप्लर की भूमिका पर व्याख्यान एवं प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य अतिथि गहतोरी अस्पताल की चेयरमैन और प्रसूति एवं स्त्री रोग की वरिष्ठ सलाहकार डा. भारती गहतोरी ने प्रसूति एवं स्त्री रोग में डाप्लर अल्ट्रासाउंड की भूमिका, विशेषता और इसके इस्तेमाल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डाप्लर अल्ट्रासाउंड रक्त के प्रवाह का भी पता लगाता है। कार्यशाला की आयोजन सचिव और प्रसूति और स्त्री विभाग की विभागाध्यक्ष डा. शशिबाला आर्य और डा. मृदु सिन्हा ने भी विषय से संबंधित जानकारियां दीं। इसमें डा. प्रगति अग्रवाल, जी.ई हेल्थ केयर अल्ट्रासाउंड टीम से लता धवन, राम गौर, यतेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज में मनाया नर्स दिवस

उन्नाव: श्रीराममूर्ति कालेज आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज ने 12 मई को नर्स दिवस मनाया गया। निदेशक श्यामल गुप्ता जी ने इस मौके पर सभी को शुभकामनाएं दीं। दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद प्राचार्य शमील सीबी ने इस वर्ष नर्स दिवस की थीम बी का अनावरण किया। उन्नाव स्थित एसआरएमएस अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. रमेश श्रीवास्तव ने कहा कि नर्सिंग अनूठा और महत्वपूर्ण पेशा है। जो पूरे चिकित्सा क्षेत्र को गौरवान्वित महसूस कराता है। इस मौके पर जीएनएम की छात्राओं ने डिबेट, स्किट, एकल गीत, युगल गीत, एकल नृत्य, युगल नृत्य, फेस पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग जैसे तमाम सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में आस्टिन एन प्रकाश, संजय कुमार, अंकिता विल्सन, डश्वली श्रीवास्तव, दिव्या चौहान, अपेक्षा, अंकिता पाल मौजूद रहे।

बीटेक, एमबीए, एमसीए और बी.फार्मा की फेयरवेल पार्टी

बरेली: एसआरएमएस के बरेली स्थित सीईटी में 14 मई को बीटेक, एमबीए, एमसीए और बीफार्मा के चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल पार्टी आयोजित हुई। कार्यक्रम में संस्था के चेयरमैन देवमूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर सुभाष मेहरा, प्राचार्य डा.प्रभाकर गुप्ता, डायरेक्टर प्लेसमेंट डा.अनुज कुमार, डायरेक्टर फार्मेसी डा.नितिन शर्मा, डीएसडब्ल्यू कपिल भूषण ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद नृत्य, गायन, कविता, जोक्स, नाटक जैसे रंगारंग कार्यक्रम हुए। अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने गुरुजनों, सहपाठियों और जूनियर साथियों के योगदान की सराहना की।

तंबाकू के सेवन से होने वाले कैंसर की दी जानकारी

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 31 मई को वर्ल्ड नो टुबैको दिवस पर कैंसर विभाग की ओर से लोगों को तंबाकू से होने वाले कैंसर की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक कर लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभाव बताए। कैंसर विभाग के विभागाध्यक्ष डा. पीयूष कुमार ने कहा कि तंबाकू का सेवन गंभीर नुकसान पहुंचाता है, इससे कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम को भी क्षति पहुंचने का खतरा रहता है। साथ ही फेफड़ों का कैंसर, लिवर कैंसर, कोलन कैंसर, मुंह का कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर आदि जैसी गंभीर बीमारियों में तंबाकू एक बड़ी वजह है। इस मौके पर मेडिकल सुप्रिटेंडेंट डा. आरपी सिंह और डा. पीयूष कुमार ने उपस्थित लोगों को तंबाकू न इस्तेमाल करने की शपथ दिलाई।

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2003 में द्वितीय स्थान प्राप्त कहानी

वापसी तक

लेखक- नैरंजना श्रीवास्तव, पता- छोटी गैबी, वाराणसी

उनके बारे में लिखना बिल्कुल कठिन नहीं और बहुतों के लिए उनमें रूचि रखना भी आश्चर्यजनक हो सकता है। उनके जैसे चरित्र हमारे चारों ओर ऐसे बिखरे पड़े हैं कि उन पर दृष्टि जाकर भी लौट आती है। वे एक माँ हैं और अन्य माओं की तरह ही सरल, साधारण तथा समर्पित हैं। उन्हें किसी मायने में दूसरों से अलग करना कहना सम्भव नहीं, न ही उनमें अलग दिखने की कोई चाह ही थी। एक अति- सामान्य गृहकार्य-दक्ष स्त्री, जिसकी आँखों का लास्य उसकी अमल दृष्टि में रहस्यभूत होता है। किन्तु उनके व्यक्तित्व में इतनी गहराई थी कि मन मानने को तैयार न हो कि वे एक प्रबुद्ध चिन्तक या भावुक दार्शनिक नहीं या उन्होंने कभी धाराओं को मोड़ने की चेष्टा नहीं की। उनका एक ही पुत्र था, पुत्र क्या हृदय का रत्न था, जिसके हास पर उनका दिनमान खिलता और जिसके ताप से उनकी चक्षु-ज्योत्स्ना पिघलने लगती। पुत्र-रत्न के प्रति उनका मोह, व्याधि और औषधि दोनों बन गया। व्याधि इसलिए क्योंकि दिन के आठों पहर उसकी चिन्ता, उसके वैभव उसकी साधन-समृद्धि से भर गए। बेटे के हर पग को वे अपनी सुरक्षा-सलाहों से मन्त्रपूत करतीं और इस प्रयास में कहीं खो चुकी अपनी ही ध्वनियां अपने कानों में पाकर थोड़ी सुखी हो लेतीं।

शुरू में जब विवाह कर वे घर में आई तो रूप के समान उनकी वाणी भी कुछ लोगों के लिए ईर्ष्या की वस्तु थी। वे कम क्या बहुत कम बोलतीं और जब बोलतीं तो ऐसे जैसे वर्षा की तृप्त सोंधी पवन में कहीं दूर से बाँसुरी की ध्वनियाँ बह कर आई हों। लगभग दो वर्षों तक उनकी यह मोहकता बसन्ती कुसुम के सदृश पूर्ववत बनी रही। इसके बाद जब नन्हा असीम उनके अवधान का नया केन्द्र बना तब उनमें कुछ परिवर्तनों ने जन्म लिया। वे अधिक मुखर होती गई और एक समय पुत्र के अनुराग ने उनमें विचित्र आवेश भर दिया। स्थिति यहां तक आ पहुँची कि अब पूरे घर में उनकी ही आवाज सुनाई देती है और इस आवाज की एक ही चिन्ता होती मेरा बेटा, मेरा असीम। वे ऐसी धनी थीं जिसने समय का हर अंश निचोड़ कर अपना यह सुख खरीदा था। जीवन संभवत: ऐसे ही चलता यदि पति का साथ असमय न छूटता या बेटे की आयु को वे अपनी इच्छा से बाँध पातीं, पर ये दोनों ही स्थितियां असंभव थी। असीम बड़ा हो रहा था और उसके चारों ओर की वायु में स्वतंत्रता की पुकार बह रही थी। उसे भी निर्णय करने की अपने ढंग से जीने की छूट चाहिए थी। असीम ने माँ के हस्तक्षेप पर ऊबना सीख लिया और अब तो उन की हर सलाह पर खीझ जाना उसकी अनिच्छा का सरल संकेत बन गया। पहले छोटी-छोटी बातों पर और फिर एक दिन बिना किसी पूर्व अनुमति या सूचना के ही विवाह कर उसने माँ की इच्छाओं को अपने व्यक्तित्व की सीमा के अतिक्रमण पर निर्णायक रूप से प्रतिबंधित कर दिया। माँ टूटकर भी नहीं टूट पाई क्योंकि उसकी आशाओं ने कंधे पर हाथ रखकर कहा, पंछी लौटकर घर ही आएगा तू नीड़ बनाकर राह देखना। अब माँ और बेटे के बीच होने वाली बातें अधिक सीमित हो गई थीं। यह वे भी जानती थीं कि सुनने वालों ने उन्हे सुनना कबका बंद कर दिया है, लेकिन अकेलेपन की कोई दूसरी काट भी तो न थी। जीवन के दो पड़ाव जिस एक आदत में बीत गए उसे अकस्मात छोड़ना क्या संभव था, जबकि मान- अपमान के कष्ट शरीर मात्र के बोझ रह गए थे। माँ कामकाजी बहू-बेटे की कशीदों वाली जिन्दगी में अपना दुलारा असीम ढूँढ रही थीं। एक ही घर में एक ही परिवार का हिस्सा होकर भी माँ हर दिन थोड़ी और अकेली होती जा रही थीं। पहले कभी-कभार हो जाने वाली बातें अब अधिक संकुचित हो गई, अब सिर्फ आँखें मिलतीं, मन्तव्य उभरते और दोनों एक दूसरे की आवश्यकता समझ जाते। माँ दिनभर अकेले ही घर में रहती और शाम को उन लोगों का नाश्ता मेज पर सजाकर अपने कमरे में चली जातीं। उनकी दिनभर की कार्य-कमाई बेटे की थकी आँखों की अवमानना पाकर लुट जाती, पर विकल्प के रूप में जो कुछ बचा सब स्वीकार्य था।

असीम पत्नी के सानिध्य में खूब हँसता-बोलता। माँ आते-जाते उनकी बातें सुनतीं और पल्लू से मुँह ढँककर मन ही मन खूब हँसती। असीम माँ के एक सरल स्वभाव पर अन्दर ही अन्दर रीझ जाता। वस्तुत: उसकी ओर से भी माँ को कष्ट देने का कभी कोई विचारपूर्वक कार्य नहीं किया गया। उसके सारे ऐश्वर्य माँ के भोग के लिए सभी समय उपस्थित था। वह भी क्या करता माँ से बातें करने को उसका अर्न्तमन ही उसे प्रेरित नहीं करता था। एक दिन माँ ने अचानक आकर असीम से कहा- तुमसे कुछ कहना है। असीम अपनी आराम कुर्सी पर कुछ अधिक चैतन्य होकर बैठ गया। उसकी मुद्रा से कहो का संकेत पाकर माँ ने कहा कल से मैं भी एक स्कूल में पढ़ाने जाऊँगी। सुबह 9 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक का समय देना होगा। इसलिए तुम दोनों ऑफिस जाते समय चाबी बगल वाली मौसी जी को दे जाना, वहीं से लेकर मैं घर खोल लिया करूँगी। अगली सुबह से जीवन

एक नए धरातल पर आ खड़ा हुआ। सबकी तरह माँ भी सुबह से ही व्यस्त थीं और जल्दी-जल्दी तैयार होकर बहू-बेटे से पहले अपने स्कूल को निकल गईं। शाम को आकर भी बिना किसी से आशा रखे अपने लिए उन्होंने चाय बनाई और थकान मिटाने बिस्तर की ओर चल दीं। यह पूरी दिनचर्या उस अतीत से भिन्न थी जिसमें वह सूनी आँखें लिए दूसरों के पीछे दौड़ती रहती थीं। कुछ-कुछ हर दिन बदल रहा था। किसने सोंचा था कि माँ एक दिन फिर अपने नाम से पुकारी जाएँगी। अब हर नए कदम पर नया क्षितिज कुछ यों पुकारता विजित कर पाओगी मुझे ? और माँ धीरे से कहतीं यह लो जीत लिया। यह परिवर्तन कुछ ऐसा हुआ कि माँ भी कुछ अंशों में व्यावहारिक हो गईं। अब हर निवाले के पहले बेटे का ध्यान न आता क्योंकि उन्हें पता चल चुका था कि उनकी शक्ति और समय बहुचक्षु बन चुके हैं जिनका संचय और संवर्धन उनका कर्तव्य है। समय की इस करवट ने असीम को समझा दिया कि जीवन किसी भी क्षण जीत का दांव खेल सकता है। असमंजस और मानसिक विप्लव में कई दिन बिताने के बाद एक दिन वह माँ की अनुमति और उपस्थिति के बिना उनके कमरे में गया। यहाँ-वहाँ घूमकर उसने माँ को पाने की कोशिश की, कभी उनकी साड़ी को छूकर तो कभी बिस्तर को सहलाकर। माँ की कुर्सी पर बैठकर उसने अतीत को कठघरे में खींचा और बौखलाकर पूछा मैनें क्या गलत किया ? क्या माँ थोड़ी बदल जातीं तो मैं भी ऐसा ही होता ? आत्म-निरीक्षण के हर प्रभाव को निरस्त करते हुए उसने माँ की मेज को देखा। आज वहाँ उसकी तस्वीरों का अंबार नहीं था, बल्कि उन आदिवासी बच्चों की बचकानी प्रशंसाएँ रखी थीं जिन्हें माँ पढ़ाती थीं। माँ के वापस आने से पहले ही वह कमरे से निकल गया। माँ ने जैसे ही थकान मिटाने को कमर सीधी करनी चाही वैसे ही नीचे से चिल्लाने की आवाजें आईं। उन्होंने झाँक कर देखा असीम पत्नी पर जोरों से बरस रहा था। कारण कुछ खास नहीं था, बहू ने पानी देने में देर कर दी थी, बस। माँ को समझते देर न लगी कि इस क्रो ? ? क्रोध और चिड़चिड़ाहट का मूल कुछ और ही है, यों ही उनका समझदार बेटा आपा नहीं खोता। बच्चों को पढ़ाने की माँ की तकनीक बड़ी प्रभावशाली थी। जिन ग्रामीण छौनो को पढ़ाई कभी रूचिकर नहीं लगी वे सब भी आकर उनसे पढ़ते पूछते। जिस संस्था के प्रयासों से यह विद्यालय चल रहा था उसके प्रबन्धकों तक भी यह समाचार पहुँचा। उन लोगों ने माँ को हाथों-हाथ लिया। माँ के काम में अब हर दिन नए आयाम जुड़ने लगे। माँ का विद्यालय जिस बड़ी स्वयंसेवी विदेशी संस्था के आर्थिक अनुदानों से चलता था, उसकी ओर से एक दिन माँ के नाम एक पत्र आया। पत्र में लिखा था, विद्यालय को दी जाने वाली आपकी सेवाएँ प्रबन्ध समिति की वार्षिक बैठक में हृदय से सराही गई हैं। हमारा यह निर्णय है कि यदि आपकी सहमति हो तो संस्था के हरिद्वार स्थित भारतीय मुख्यालय में उप-संचालक का कार्यभार आपको सौंपने में संस्था को गौरव होगा। आयु की संज्ञा में, संकल्प शक्ति का माँ को इससे बढ़कर और क्या उपहार हो सकता था ? विद्यालयों से लेकर परिचितों तक जिस किसी ने भी यह समाचार सुना उत्सवमय हो गया। विद्यालयीय स्तर की तो यह महती उपलब्धि थी ही। सभी ने माँ को सुझाव दिया कि माँ को यह प्रस्ताव अविलम्ब स्वीकार कर लेना चाहिए। वे भी खुश थी, बहुत तो नहीं पर फिर भी। अगले दिन माँ ने असीम को अपने कमरे में बुलाया। दोनों बड़ी देर तक शान्त बैठे रहे लेकिन प्रयास भी करते रहे कि किसी भाँति इस हिचक से पीछा छुड़ाया जाए। इसके लिए जिस पहल की जरूरत थी वह माँ ने की। उन्होंने कहा मैं जा रही हूँ असीम ! असीम स्तब्ध रह गया। उसने पूछना चाहा क्यों पर मुँह से निकला नहीं। उसका चेहरा और आँखें रक्तिम हो गई हैं। कुछ दबा हुआ फूटने की कगार पर आकर रूका था। असीम के कँधे पर हाथ रखकर उन्होंने पूछा बीमार है क्या बेटा ? असीम फफक पड़ा। ज्यों ही माँ ने हिचक के ये अन्तिम तार काटे असीम उन तक दौड़कर आ गया। माँ की गोद में सिर रखकर उसने अपने सारे क्लेष धो डाले। असीम ने रोते हुए ही कहा मुझसे भूलें हुई हैं जानता हूँ। पर इस तरह छोड़कर तो मत जाओ। माँ रूके हुए बाँध के इस निर्बन्ध प्रवाह पर जन्मों वारी जातीं। उन्होंने कहा कुछ भूलें तुमने कीं कुछ मैने। लेकिन अब तो प्रायष्चित हो चुका अब कैसी द्विविधा असीम ! इसका मतलब तुम नहीं जाओगी ? असीम ने झटके से सिर उठाकर पूछा। माँ ने उसे पूरी बात बता दी और पूछा बोल न जाऊँ ? असीम को अकस्मात् प्राप्त इस हर्ष-निधि पर विश्वास ही न हुआ, माँ की इस आत्म-जागृति ने उसे हर्ष से भर दिया। उसने प्रसन्नता में झूमते हुए श्रद्धा से अवनत नेत्रों द्वारा माँ को प्रच्छन्न प्रणाम अर्पित किया और शरारत से पूछा, मुझे भी नौकरी दोगी अपने वहाँ ? दोनों ठहाका लगाकर हँस पड़े। माँ को हरिद्वार तक छोड़ने असीम ही गया। वहाँ सब व्यवस्थित कर जब वह लौटने को हुआ तो माँ ने उससे कहा असीम जीवन ने मुझे बड़े ही श्रेष्ठ अध्याय पढ़ाए हैं, जिसने कर्तव्यों की परिवर्तित आवश्यकता को नहीं समझा। दोनों के निर्विकार नेत्रों में एक ही चित्र था-दूर आकाश में दिन के वृद्ध प्रहर, अलग-अलग दिशाओं से दाना चोंच उठाए हुए पंक्षी अपने घोंसले की ओर बढ़े आ रहे थे। एक ही नीड़ में एक पक्षी पूर्व का एक पक्षी पश्चिम का, फिर भी परिवार एक प्यार एक। अपनत्व की इस नूतन चन्द्रिका में चन्द्र की भाँति ओजवान परिवार अब असीम और माँ का चित्र भी पुलकित करेगा, इस विचार की चमक आँखों में भरे माँ ने असीम को विदा किया....अपनी वापसी तक।

(समाप्त)

बीएससी नर्सिंग के लैम्प लाइटिंग और ओथ सेरेमनी में देवमूर्ति जी का संदेश

बेहतर नर्सिंग सर्वश्रेष्ठ मानवसेवा

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ नर्सिंग में 12 मई को लेडी विद द लैंप फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिवस पर लैम्प लाइटिंग एंड ओथ सेरेमनी का आयोजन हुआ। इसमें बीएससी नर्सिंग के पांचवें बैच के 60 विद्यार्थियों ने शपथ ग्रहण की। श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट की ओर से बीएससी नर्सिंग प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के 14 मेधावी विद्यार्थियो को तीन लाख दस हजार रूपये की स्कालरशिप प्रदान की गई। एएनएम 2020 बैच के कुल 27 और जीएनएम 2019 बैच के 16 विद्यार्थियों को टैबलेट वितरण किया गया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी और ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति जी ने शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। समारोह में पोस्टर मेकिंग कम्पटीशन में विजेता छात्राओं को भी पुरस्कार प्रदान किया गया।

- 14 मेधावियों को मिली तीन लाख दस हजार रुपये की छात्रवृत्ति
- एएनएम के 27 और जीएनएम के 16 विद्यार्थियों को मिला टैबलेट
- पोस्टर मेकिंग कम्पटीशन में आयुषि, प्रियंका और निशिता पुरस्कृत
- प्रथम वर्ष की अनुप्रिया सिंह मिस फ्रेशर, हार्दिक बने मिस्टर फ्रेशर

स्कालरशिप- करनजीत कौर (2020) 30 हजार, जागृति शर्मा (2020) 20 हजार, निंदर कौर (2020) 20 हजार, दीक्षा (2020) 20 हजार, रूपिंदर कौर (2020) 30 हजार, नवनीत कौर पुत्री बलजिंदर सिंह (2020) 20 हजार, नवनीत कौर पुत्री दलबाग सिंह, (2020) 20 हजार, नवनीत कौर पुत्री दलबीर सिंह (2020) 20 हजार, हरजीत कौर (2020) 20 हजार, विश्वजीत कौर (2018) 20 हजार, कविता महार (2018) 20 हजार, राधिका सूरी (2018) 20 हजार, नवदीप कौर (2018) 20 हजार, निकिता खेतपाल (2019) 30 हजार

देवमूर्ति जी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंट्रेंस एग्जाम पास कर मेरिट मे आने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई, जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग में दाखिला लिया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार शपथ के समय विद्यार्थियों ने मोमबत्ती की लौ को बुझने नहीं दिया, उसी प्रकार भविष्य में एक बेहतर नर्सिंग स्टाफ बनने के बाद भी कोशिश करें कि आपके द्वारा ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बचाई जा सके। मरीजों के लिए बेहतर नर्सिंग सर्वश्रेष्ठ समाजसेवा है।

एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति जी ने ओथ सेरेमनी में शामिल सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मेडिकल के क्षेत्र में हमारे मन का सुंदर होना बहुत जरूरी है, क्योंकि आपको ऐसे लोगों का ख्याल रखना होता है, जिन्हें आपकी सहानुभूति की आवश्यकता सबसे ज्यादा होती है। उन्होंने अभिभावकों को भरोसा दिलाया कि आपके बच्चों का भविष्य एसआरएमएस में एकदम सुरक्षित है। इससे पहले एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग की प्रिंसिपल रिंटू चतुर्वेदी ने सभी का स्वागत किया और संस्थान की जानकारी दी। चीफ मैटरन इलियम्मा वीजी ने नर्सिंग के क्षेत्र की विस्तृत जानकारी दी और विद्यार्थियों को इसका महत्व बताया। नर्सिंग कालेज के वाइस प्रिंसिपल अनीश चंद्रन ने सभी अतिथियों का आभार जताया और धन्यवाद दिया। इस मौके पर बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष के नौ मेधावी विद्यार्थियों को कुल दो लाख और जेएनएम के प्रथम एवं तृतीय वर्ष के पांच विद्यार्थियों को एक लाख 10 हजार रूपये की छात्रवृत्ति वितरित की गई। साथ ही पूर्व में हुए पोस्टर मेकिंग कम्पटीशन में बीएससी सेकेंड ईयर की आयुषि को पहला, फर्स्ट ईयर की प्रियंका को दूसरा और निशिता सिंह चौहान को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। समारोह में एएनएम 2020 बैच के कुल 27 और जीएनएम 2019 बैच के 16 विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए। इस मौके पर नर्सिंग के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए। इसमें बीएससी नर्सिंग के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों हार्दिक को मिस्टर फ्रेशर और अनुप्रिया सिंह को मिस फ्रेशर चुना गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, पैरामेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा. कृष्ण गोपाल, मेडिकल कालेज के सुप्रिटेंडेंट डा. आरपी सिंह, चीफ मेट्रन लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत) अलियम्मा, मेट्रन जाय विलसन, सीईटी के डीन एकेडेमिक्स डा. प्रभाकर गुप्ता, ट्रेनिंग प्लेसमेंट एंड डेवलपमेंट सेल के निदेशक डा. अनुज कुमार, फार्मेसी विभाग के डायरेक्टर डा. नितिन शर्मा और कॉलेज के समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

NEW EMPLOYEE

(Till May 2022)

Dr. Abhinav Banerjee
DNB (Anasthesia)
Asst. Professor (Anaesthesia)
& Consultant ICU
SRMSIMS, Bareilly

Sanjay Kumar
Lecturer
SRMS Pharmacy College
Unnao

Austin N Prakash
Lecturer
SRMS Pharmacy College
Unnao

Ankita Wilson
Lecturer
SRMS Pharmacy College
Unnao

Nitin Rastogi
Senior Manager
Marketing
SRMSIMS, Bareilly

PRAMOTIONS

Vineet Verma
Chief Manager
Marketing & Corporate Relations
SRMSIMS, Bareilly

Sunil Kumar Chandra
Manager
Corporate Relations
SRMSIMS, Bareilly

एसआरएमएस ट्रस्ट के
संस्थानों में संबद्ध
होने वाले सभी नए एवं
पदोन्नत साथियों को
बधाई एवं
शुभकामनाएं ...

डा.आयुष गर्ग / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

रायल मार्सडेन हास्पिटल में एक माह की ट्रेनिंग

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के कैंसर विशेषज्ञ डा.आयुष गर्ग ने पिछले माह लंदन स्थित रायल मार्सडेन हास्पिटल में एक माह की ट्रेनिंग हासिल की। एसोसिएशन आफ रेडिएशन आन्कोलाजी आफ इंडिया (AROI) इस निशुल्क ट्रेनिंग के लिए उनका चयन किया था। AROI ने कैंसर ट्रीटमेंट की एडवांस ट्रेनिंग के लिए देश से चार कैंसर विशेषज्ञों का चयन किया। जिसमें से दो को इंटरनेशनल और दो को नेशनल ट्रेनिंग प्रदान करवाई गई। डा.आयुष का चयन इंटरनेशनल ट्रेनिंग के लिए हुआ और उन्हें यूरोप के बड़े कैंसर ट्रीटमेंट सेंटर में शामिल रश्वयल मार्सडेन हश्वस्पिटल जाने का मौका मिला। वहां उन्होंने स्टीरियो टेक्निक बाडी रेडियोथेरेपी (SBRT) की ट्रेनिंग हासिल की। साइबर नाइफ, एमआरआई लीनेक्स जैसी अत्याधुनिक तकनीक पर काम किया।

डा.आशीष चौहान (पी.टी.) / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

आईसीपीटीए 2022 बेस्ट एकेडेमीशियन अवार्ड

आगरा में पहली मई को पहली इंटरनेशनल कांफ्रेंस आफ फिजिकल थेरेपी का आयोजन हुआ। इसका आयोजन फिजियो कांसेप्ट एकेडमी की ओर से आयोजित इस कांफ्रेंस में बेस्ट एकेडेमीशियन अवार्ड के लिए आनलाइन आवेदन मांगे गए। इसके सीनियर कैटेगरी में 10 लोगों के आवेदन आए। इसमें एसआरएमएस मेडिकल कालेज स्थित फिजियोथेरेपी विभागाध्यक्ष डा.आशीष चौहान को बेस्ट एकेडेमीशियन चुना गया और उन्हें आईसीपीटीए 2022 का बेस्ट एकेडेमीशियन अवार्ड मिला। फिजियोथेरेपी क्षेत्र में लोगों को जागरुक करने के लिए स्थापित फिजियो कांसेप्ट एकेडमी इससे पहले नेशनल कांफ्रेंस करवा चुकी है। मई में आगरा स्थित आरबीएस कालेज के राजा बलवंत सिंह आडिटोरियम में यह पहली इंटरनेशनल कांफ्रेंस हुई। इसमें प्रदेश के सभी बड़े संस्थानों के फिजियोथेरेपिस्ट ने हिस्सा लिया।

रेडियोडायग्नोसिस डिपार्टमेंट / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

डा. जीएस बठला सीएमई में जीते कई पुरस्कार

इंडियन रेडियोलाजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन (IRIA) के यूपी चौप्टर की दो दिवसीय मिड टर्म सीएमई 7-8 मई को बरेली में आयोजित हुई। रुहेलखंड मेडिकल कालेज में संपन्न इस डा. जीएस बाथला सीएमई में एसआरएमएस मेडिकल कालेज के रेडियोडायग्नोसिस विभाग ने शानदार प्रदर्शन किया। विभागाध्यक्ष डा.नीरज प्रजापति वैज्ञानिक समिति का अध्यक्ष चुना गया और उन्हें IRIA बरेली के अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सीएमई में एसआरएमएस मेडिकल कालेज के रेडियोडायग्नोसिस डिपार्टमेंट की ओर से पांच पेपर और पांच पोस्टर प्रस्तुत किए गए। पोस्टर प्रेजेंटेशन में एसआरएमएस मेडिकल कालेज की जेआर टू डा. इशिता यादव ने प्रथम पुरस्कार जीता। जबकि यहीं के जेआर टू डा.राघव सोनी को पेपर प्रेजेंटेशन में द्वितीय पुरस्कार मिला।

डा.मनोज गुप्ता / डा.सिद्धार्थ दुबे / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

नामचीन जरनल्स में प्रकाशित हुई रिसर्च

बायोकैमिस्ट्री में एसोसिएट प्रोफेसर डा.मनोज गुप्ता ने पिछले वर्ष 2021 में कोविड महामारी के बाद डेंगू मरीजों पर रिसर्च की। उन्होंने मरीजों के सीरम लैक्टेट का एनासिलिस किया। जिसमें खुलासा हुआ कि जो डेंगू मरीज काल के शिकार हुए, उनमें सीरम लैक्टेट लेबल ज्यादा था। ऐसे मरीज जिनका सीरम लैक्टेट लेबल सामान्य रहा वो डेंगू से स्वस्थ हो गए। डा.गुप्ता की यह रिसर्च पिछले माह पबमेड इंडेक्स जर्नल क्यूरियस में प्रकाशित हुई। आर्थोपैडिक सर्जन डा. सिद्धार्थ दुबे की फ्लोटिंग नी इंजरी पर की गई रिसर्च यूरोपियन जर्नल आफ मालिक्यूलर एंड क्लिनिकल मेडिसिन में पिछले माह प्रकाशित हुई। इसमें उन्होंने बताया कि जांघ की हड्डी और पैर की हड्डी टूटने पर अलग हुए घुटने को किस तरह से आपरेशन कर ठीक से जोड़ा जा सकता है।

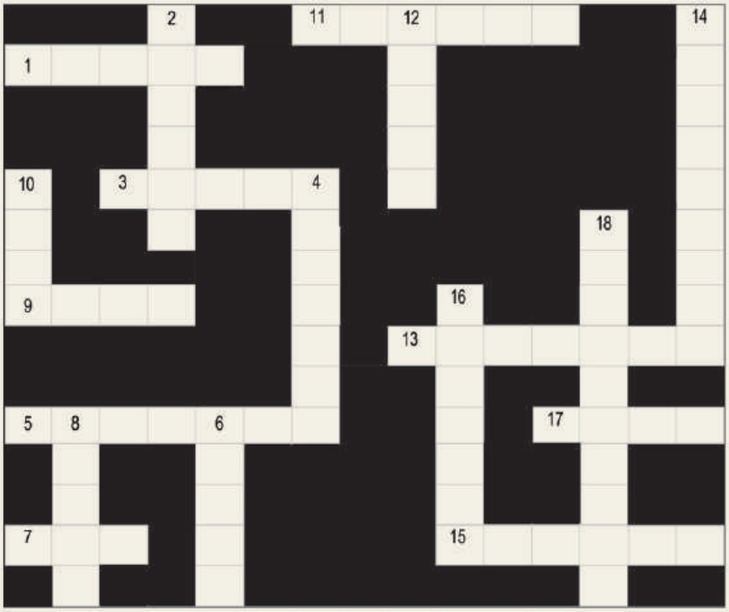

Crosswords No. 25

HORIZONTAL

1. Fungal infection of skin and scalp 3. Viral infection of salivary glands 5. Viral infection of small children with an incubation period of 10-14 days 7. Symptoms include stuffy nose, cough, sore throat, bodyaches 9. Contagious and sometimes fatal respiratory illness caused by coronavirus
11. Chronic curable disease causing skin lesions and nerve damage 13. Disease caused by plasmodium parasite
15.Disease transmitted through dog bites
17. Viral disease that causes birth defects and is linked to Guillian Barre syndrome

VERTICAL

2. Aedes mosquito borne viral disease occurring in tropical areas 4. Contagious intensely itchy condition caused by a burrowing mite 6. Caused by exposure to food contaminated with urine of mastomys rat
8. Viral infection that causes severe bleeding and organ failure 10. Chronic bacterial infection that affects the skin, bone and cartilage 12.Highly infectious viral disease that affects children under 5 years and has an oral vaccine
14. Viral infection that affects the respiratory system
16. Disease caused by leishmania 18. Parasitic infection caused by contaminated food and water
18. The river of Canada also known as Beaver

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 25

		6	2		3			1
	3	9			1		6	
5					6		4	9
	5	4		7				
1			9		4			8
9			3			4	2	
4	8			5		6		7
	1		4		2			
		5		6	7		1	

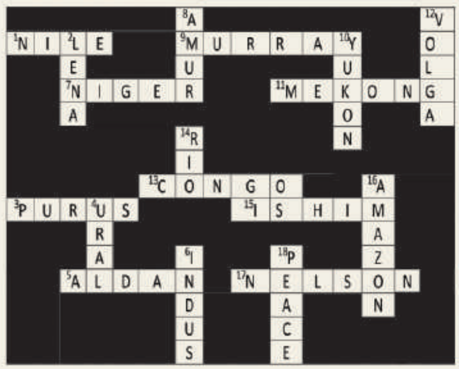

Answer: Crosswords No. 24

2	1	5	8	6	3	7	4	9
6	3	7	9	4	2	5	8	1
4	8	9	1	7	5	2	6	3
8	9	1	5	3	4	6	2	7
5	7	4	6	2	1	3	9	8
3	6	2	7	9	8	4	1	5
9	5	6	4	1	7	8	3	2
1	2	8	3	5	6	9	7	4
7	4	3	2	8	9	1	5	6

Answer: Soduko No. 24

SHRI RAM MURTI SMARAK
TRUST INSTITUTIONS
BAREILLY | LUCKNOW | UNNAO

SRMS

TOPNOTCH
Recruiters
STAMPING

The Industry Readiness of
SRMSians Since 1996

Commendable Placement for 2018-22 Batches

wipro 147	TCS 43	Coforge 37	Infosys 30	Business 04	[ ]x 04	iconma 04	indiamart 04	BL 02	Binary Semantics 02	Birlasoft 02	BYJU'S 02
HCL 28	Tech Mahindra 27	Nucleus Software 23	Echelon 16	nagarro 04	motherson 04	Accolite Digital 03	03	CREDABLE 02	02	HDFC 02	02
QA InfoTech 09	09	08	sopra steria 08	C 03	Databorough 03	03	digit 03	exceed 02	02	02	02
upGrad 08	08	InnoBit 07	07	03	03	NSMX 03	03	02	02	Mindtree 02	Ori 02
ZenSar 07	REVATURE 07	Alembic 06	IGT 06	SYNORIQ 03	Ultragenic 03	USTECH 03	VINOVE 03	NanoSpecies 02	02	Velocity 02	Z 02
Greenply 05	jaro education 05	Justdial 05	techila 05	WNS 03	PROTECONS 03	02	02	accenture 01	ADEPTIA 01	Allied Market Research 01	01
AVL 01	AXIS BANK 01	Chola MS 01	01	daffodil 01	DCM Shriram 01	Hashedin by Deloitte 01	epam 01	hp 01	IBM 01	ICICI Bank 01	
INNOVATION Technology Solutions 01	PHRONESIS PARTNERS 01			planetspark 01	pil 01	SYMB technologies 01		virtusa 01	Pasupati Acrylon 01		

Salary Package	Highest	Average	Lowest	Total
	9.00 LPA	4.00 LPA	2.50 LPA	599

Shri Ram Murti Smarak College of Engg. & Tech., Bareilly (AKTU Code 014)
Shri Ram Murti Smarak College of Engg. Tech. & Research, Bareilly (AKTU Code 450)

Courses Offered : B.Tech. | M.Tech. | B.Pharm | M.Pharm | MBA | MCA

Campus: Ram Murti Puram, 13th km. Bareilly Nainital Highway, Bareilly (U.P.)

Admission Helpline 7055999555 Follow us: